



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 309]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 26, 2001/अग्रहायण 5, 1923

No. 309]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 26, 2001/AGRAHAYANA 5, 1923

महापत्रन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 2001

सं. टीएएमपी/96/2001-जेएनपीटी.—महापत्रन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महापत्रन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा संलग्न आदेशानुसार जवाहरलाल नेहरू पत्रन न्यास के यंत्रीकृत बल्क कार्गो प्रहस्तन प्रणाली में प्रहसित उर्वरकों एवं उर्वरक के कार्य माल के लिए मात्रा छूट देने के प्रस्ताव का अनुमोदन करता है।

अनुसूची

मामला सं. टीएएमपी/96/2001-जेएनपीटी

जवाहरलाल नेहरू पत्रन न्यास (जेएनपीटी)

आवेदक

आदेश

(5 नवम्बर, 2001 को पारित)

जेएनपीटी के हाथ से प्रहसित जलयानों के मामले में तैयार उर्वरकों और उर्वरक के कार्य माल के घाटभाड़े में घृद्धि करने के प्रस्ताव पर इस प्राधिकरण द्वारा विचार करने के उपरांत 12 जून, 2001 को एक आदेश पारित किया गया। यह आदेश 20 जून, 2001 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया था। जेएनपीटी ने अपने प्रस्ताव में केवल यह उल्लेख किया था कि यंत्रीकृत प्रणाली को प्रोत्साहित करने के लिए मात्रा के आधार पर विशेष छूट दी जा रही है। परंतु जेएनपीटी ने उस प्रस्ताव में मात्रा छूट स्कीम के बारे में और कोई विवरण नहीं दिया था।

1.2 12 जून, 2001 के आदेश के संदर्भ में जेएनपीटी ने बाद में सूचना दी कि पत्रन द्वारा अपनी बल्क कार्गो प्रहस्तन प्रणाली के प्रयोक्ताओं को कुल प्रहस्तन एवं घाट भाड़ा प्रमारों पर कुछ मात्रा छूट दी गई थी। मात्रा छूट न्यासी बोर्ड के अनुमोदन से 25 अक्टूबर, 2000 से प्रारंभ में छह माह की अवधि के लिए दी गई थी। बाद में इस स्कीम को और छह माह की अवधि के लिए अर्थात् 25 अक्टूबर, 2001 तक के लिए बढ़ा दिया गया। जेएनपीटी ने मौजूदा मात्रा छूट को 25 अक्टूबर, 2001 तक के लिए अनुमोदित करने और छह माह की अवधि के लिए अर्थात् 25 अप्रैल, 2002 तक बढ़ाने का भी अनुरोध किया। जेएनपीटी द्वारा किया गया अनुरोध प्रस्ताव अपूर्ण था क्योंकि उसमें मौजूदा मात्रा छूट का कोई विवरण नहीं दिया गया था। अतः जेएनपीटी से इस संबंध में व्योरेक्यार प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कहा गया।

2.1 जेएनपीटी ने तदनुसार उर्वरकों तथा उर्वरक के कच्चे माल के यंत्रीकृत प्रहस्तन के लिए मात्रा छूट की मीजूदा स्कीम का विवरण सहित प्रस्ताव प्रस्तुत किया और उसकी अवधि 25 अप्रैल, 2002 तक बकाने का प्रस्ताव किया।

2.2 जेएनपीटी ने अपने प्रस्ताव में निम्नलिखित सभ्य प्रस्तुत किए :-

- (i) बोर्ड के 25 अक्टूबर, 2000 के संकल्प के अनुसार उर्वरकों और उर्वरक के कच्चे माल के लिए याहित्र प्रणाली के भावधार से यंत्रीकृत प्रहस्तन के लिए प्रयोक्ताओं को प्रारंभ में छह माह की अवधि के लिए मात्रा छूट दी गई थी। इस आशय की व्यापारिक सुचना 17 नवंबर, 2000 को जारी की गई थी।
- (ii) जेएनपीटी के न्यासी बोर्ड ने 22 मार्च, 2001 को आयोजित अपनी बैठक में और छह माह की अवधि के लिए अर्थात् 25 अक्टूबर, 2001 तक मात्रा छूट स्कीम लागू कर दी। न्यासी बोर्ड ने यह भी निर्णय लिया कि यदि आयातकर्ता अपनी प्रतिबद्धता निभाते हैं तो स्कीम के अनुमोदनार्थ प्रस्ताव महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण को भेजा जाए। बोर्ड ने यह भी निर्णय किया कि मात्रा छूट के लिए प्राधिकरण द्वारा अनुमोदन दिए जाने और अधिसूचना जारी किए जाने तक स्कीम को 25 अक्टूबर, 2001 के बाद और छह माह की अवधि के लिए बढ़ा दिया जाए।
- (iii) विभिन्न आयातकर्ताओं जैसे मै0 इंडियन पोटाश लि�0, मै0 दीपक फर्टिलाइजर्स, मै0 गुजरात नर्मदा ऐली फर्टिलाइजर कम्पनी लि�0, मै0 आरसीएफ लि�0 और मै0 जुआरी इंडस्ट्रीज लि�0 से आवश्यक प्रतिबद्धताएँ प्राप्त की गई और इस स्कीम के लागू होने के बाद कारों का प्रहस्तन प्रायः उनकी प्रतिबद्धताओं के अनुरूप ही हो रहा है।
- (iv) आयात में आई भारी गिरावट और यंत्रीकृत प्रणाली के पुरानी हो जाने तथा जेएनपीटी के प्रयोक्ताओं द्वारा अपनी प्रतिबद्धता निभाए जाने के कारण प्रस्तावित छूट को परीक्षण के आधार पर 26 अक्टूबर, 2001 से कम से कम 6 माह के लिए जारी रखा जा सकता है।
- (v) जेएनपीटी द्वारा वर्तमान में दी जाने वाली मात्रा छूट का व्योरा इस प्रकार है :-

 - (क) प्रहस्तन एवं घाट भाष्टा प्रभारों पर 10% की छूट प्रथम 50,000 मी.ट. पर दी जाएगी।
 - (ख) 50,000 मी.ट. से अधिक मात्रा पर प्रथम 50,000 मी.ट. पर दी गई दर पर और 10% की छूट दी जाएगी।
 - (ग) आयात की कुल मात्रा 1,00,000 मी.ट. से अधिक होने पर आयातकर्ता को प्रथम 50,000 मी.ट. मात्रा के लिए भी 50,000 मी.ट. से अधिक मात्रा पर वसूल की जाने वाली दर वसूल करके परिकलित राशि की बापसी का लाभ दिया जाएगा।
 - (घ) उर्वरकों और उर्वरक के कच्चे माल की भिन्न-भिन्न मात्राओं पर वसूल किए जाने वाले वास्तविक प्रहस्तन एवं घाट भाष्टा प्रभार हृस प्रकार हैं :-

कुल प्रहस्तित मात्रा	कुल लागू (प्रहस्तन एवं घाट भाष्टा) प्रभार
(i) 50,000 मी.ट. तक उर्वरकों की मात्रा	229.50 प्रति मी.ट.
(ii) 50,000 मी.ट. से अधिक उर्वरकों की मात्रा	206.56 प्रति मी.ट., शेष मात्रा पर
(iii) 1,00,000 मी.ट. से अधिक प्रहस्तित उर्वरकों की मात्रा	184.50 मी.ट.
(iv) 50,000 मी.ट. से अधिक उर्वरक के कच्चे माल की मात्रा	166.05 प्रति मी.ट., शेष मात्रा के लिए
(v) 1,00,000 मी.ट. से अधिक प्रहस्तित उर्वरक के कच्चे माल की मात्रा	16605 प्रति मी.ट., पूरी प्रहस्तित मात्रा पर

2.3 इस परिप्रेक्ष्य में जेएनपीटी ने इस प्राधिकरण से 25 अक्टूबर, 2001 तक दी गई मात्रा छूट का अनुसमर्थन करने और 25 अक्टूबर, 2001 के बाद और छह माह तक की अवधि के लिए छूट स्कीम को अनुमोदित करने का अनुरोध किया।

3. जेएनपीटी का यह प्रस्ताव विभिन्न प्रयोक्ताओं/पतन प्रयोक्ताओं की प्रतिनिधिक संस्थाओं को परिचालित नहीं किया गया क्योंकि इसमें पतन द्वारा बनाई गई मौजूदा स्कीम का ही प्रयोक्ताओं के परामर्श करके अनुसमर्थन किया जाना है।

4. जेएनपीटी के प्रस्ताव और उपलब्ध कराए गए रिकार्डों के संदर्भ में निम्नलिखित स्थिति प्रकट होती है :-

(i) इस प्राधिकरण की कथित नीति मात्रा छूट स्कीमों को प्रोत्साहित करना है बशर्ते इन स्कीमों को लागू करने के लिए तर्कसंगत कारण उपलब्ध हों। यह प्राधिकरण मात्रा छूट स्कीमें कई महापत्तनों में और कंटेनरों के संबंध में जेएनपीटी में भी पहले ही लागू कर चुका है।

(ii) जेएनपीटी के न्यासी बोर्ड ने महापत्तन न्यास अधिनियम की धारा 53 के अधीन प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए मात्रा छूट का प्रारंभिक प्रस्ताव अनुमोदित कर दिया है। अधिनियम की धारा 53 के उपबंधों को लागू करके अधिसूचित दरों में स्थायी कमी करने के मुद्दे पर इस प्राधिकरण के कई आदेशों में वर्चा की गई है। सरकार ने भी पतन न्यासों को परामर्श दिया है कि वे नियमित मामलों में अधिनियम की धारा 53 के उपबंधों को लागू न करें।

परंतु हो सकता है कि जेएनपीटी के न्यासी बोर्ड ने स्कीम के अभीष्ट परिणाम सामने आने पर ही इस प्राधिकरण का अनुमोदन एक साथ लेने का निर्णय किया हो।

(iii) यह स्कीम अक्टूबर, 2000 से लागू है। इस स्कीम के लागू होने के काफी बाद जेएनपीटी ने हाथ से प्रहसित उर्वरकों एवं उर्वरक के कच्चे माल पर घाट भाड़ का प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। यह बड़ी ही रोचक बात है कि उस समय जेएनपीटी ने इस प्राधिकरण को पूरी सूचना देना उपयुक्त नहीं समझा था।

(iv) जेएनपीटी ने अब यह संकेत दिया है कि प्रहसित मात्रा कमोबेश उर्वरकों एवं उर्वरक के कच्चे माल के विभिन्न आयातकर्ताओं द्वारा अभियक्त प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है। यह सर्वयिदित तथ्य है कि जेएनपीटी के बल्कि टर्मिनल को भारी नुकसान हो रहा है; और मौजूदा प्रशुल्क स्तर पर जेएनपीटी के कार्यालयों को उसके अन्य कार्यकलापों से प्रति संभिस्डी के बिना रखना व्यावहारिक नहीं है। यदि जेएनपीटी के बल्कि टर्मिनल में सुधार होता है तो यह उभयोद की जा सकती है कि अन्य कार्यकलापों पर प्रति संभिस्डी का भार कम हो जाएगा।

(v) जैसा कि पहले कहा गया है कि स्कीम लागू हो चुकी है और उसके अभीष्ट परिणाम प्राप्त हुए हैं। अतः यह प्राधिकरण जेएनपीटी द्वारा प्रस्तावित स्कीम का अनुसमर्थन करना और स्कीम को 26 अक्टूबर, 2001 से और छह माह तक की अवधि के लिए लागू करने का अनुमोदन करना चाहता है।

(iv) स्कीम में शून्य स्तर से ही मात्रा पर छूट दी गई है। इसका अर्थ है कि सामान्य प्रशुल्क केवल संदर्भ बिंदु है, किसी भी स्थिति में लागू नहीं है। अतः मौजूदा आधार दर की समीक्षा करना युक्तिसंगत हो सकता है। जेएनपीटी को परामर्श दिया जाता है कि यह छह माह की वैधता अवधि बीतने के बाद जब कभी भी इस मामले पर आगे विचार करे तो पूरी व्यवस्था की समीक्षा करे।

5.1 परिणामस्वरूप, उपर्युक्त ताकौं तथा समग्र विधार-विमर्श के आधार पर यह प्राधिकरण निम्नलिखित निर्णय करता है :-

(i) जेएनपीटी में बल्कि कार्यालयों प्रहस्तन प्रणाली का प्रयोग करके उतारे जाने वाले तैयार उर्वरकों और उर्वरक के कच्चे माल के प्रहस्तन के लिए उपर्युक्त पैराग्राफ 2.2. (v) में उल्लिखित मात्रा छूट स्कीम को 26 अक्टूबर, 2001 से छह माह की अवधि के लिए अनुमोदित करने; और

(ii) इस स्कीम के अंतर्गत 25 अक्टूबर, 2001 तक दी गई मात्रा छूट का अनुमोदन करने।

5.2 जेएनपीटी को नियंत्रण दिया जाता है कि यह अनुमोदित मात्रा छूट स्कीम को अपनी दरों के मान में शामिल करे।

एस. सत्यम, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/IV/143/2001/असा.]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th November, 2001

No. TAMP/96/2001-JNPT.—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby approves a proposal of the Jawaharlal Nehru Port Trust to allow volume rebate for fertiliser and fertiliser raw materials handled at its mechanised bulk cargo handling system as in the Order appended hereto.

SCHEDULE

Case No.TAMP/96/2001-JNPT

The Jawaharlal Nehru Port Trust (JNPT)	— — —	Applicant
--	-------	-----------

ORDER
(Passed on this 5th day of November 2001)

A proposal of the JNPT to increase the wharfage for finished fertilisers and fertiliser raw material in case of manually discharged vessels was considered by this Authority and an Order was passed on 12 June 2001. The Order was notified in the Gazette of India on 20 June 2001. In its proposal, the JNPT had only mentioned that special rebate based on volumes were being allowed in order to encourage usage of the mechanised system. The JNPT did not, however, disclose any further details about the Volume Discount Scheme in that proposal.

1.2. With reference to the Order dated 12 June 2001, the JNPT had subsequently intimated that certain volume rebates were given by the port on total handling and wharfage charges to the users of its bulk cargo handling system. The volume rebate was implemented with the approval of its Board of Trustees from 25 October 2000 initially for a period of 6 months. The scheme was extended for a further period of 6 months i.e., up to 25 October 2001. The JNPT requested to approve the existing volume rebate till 25 October 2001 and also to extend it for a further period of 6 months i.e., up to 25 April 2002. The request made by the JNPT was found incomplete as no details of the existing volume rebate were given. The JNPT was, therefore, requested to submit a detailed proposal in this regard.

2.1. The JNPT has accordingly, submitted a proposal detailing the existing scheme for volume rebates for mechanised handling of fertilisers and fertiliser raw materials and proposed to extend it to a further period up to 25 April 2002.

2.2. In its proposal, the JNPT has made the following points:

- (i). The volume discount was given initially for a period of six months to the users for mechanised handling through conveyor system for fertilisers and fertiliser raw materials in terms of its Board resolution dated 25 October 2000. A trade notice to this effect was issued on 17 November 2000.
- (ii). The Board of Trustees of the JNPT in its meeting held on 22 March 2001 extended the volume rebate scheme for a further period of 6 months i.e., up to 25 October 2001. The Board of Trustees further decided that a proposal be forwarded to the TAMP for approval of the scheme, in case the importers were found to keep their commitment. The Board had also decided to extend the scheme for a further period of 6 months beyond 25 October 2001 pending receipt of approval and notification by the TAMP for volume rebate.